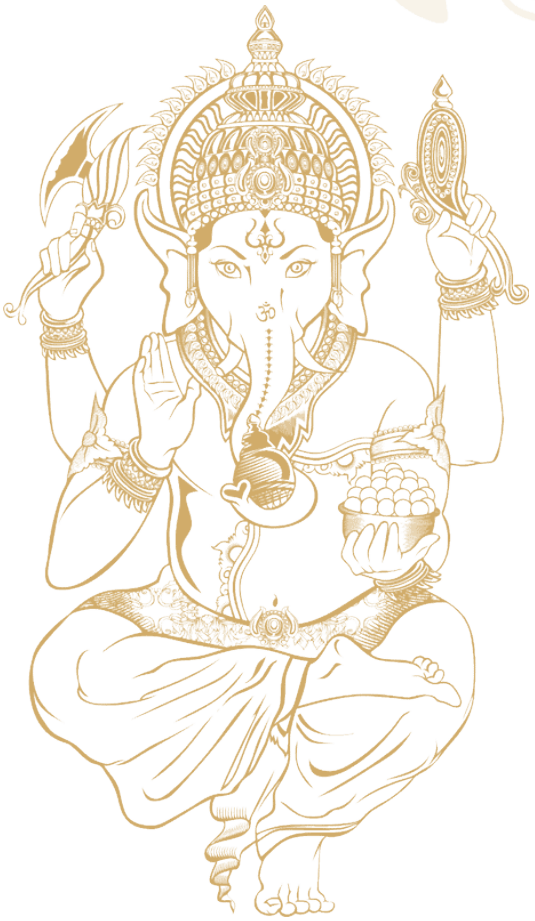

Aman Kumar

14 Feb 2026

08:44 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121734403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/02/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**08:44:00 घंटे**
इष्ट	05:46:57 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:54:00 घंटे
वेलान्तर	-00:14:10 घंटे
साम्पातिक काल	18:30:39 घंटे
सूर्योदय	06:25:13 घंटे
सूर्यास्त	17:43:27 घंटे
दिनमान	11:18:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:12:16 कुम्भ
लग्न के अंश	16:11:31 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्धि
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा-फारुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	16:11:31	487:37:59	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	01:12:16	01:00:39	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	21:45:29	12:18:37	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	मक	22:48:44	00:47:12	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	उच्च राशि
बुध			कुंभ	17:45:12	01:30:59	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:52:23	00:04:45	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	10:25:00	01:15:07	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	05:47:24	00:06:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:47:40	00:02:03	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:47:40	00:02:03	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:16:50	00:00:32	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:18:38	00:01:56	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:52:54	00:01:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	12:48:51	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:26

लग्न-चलित

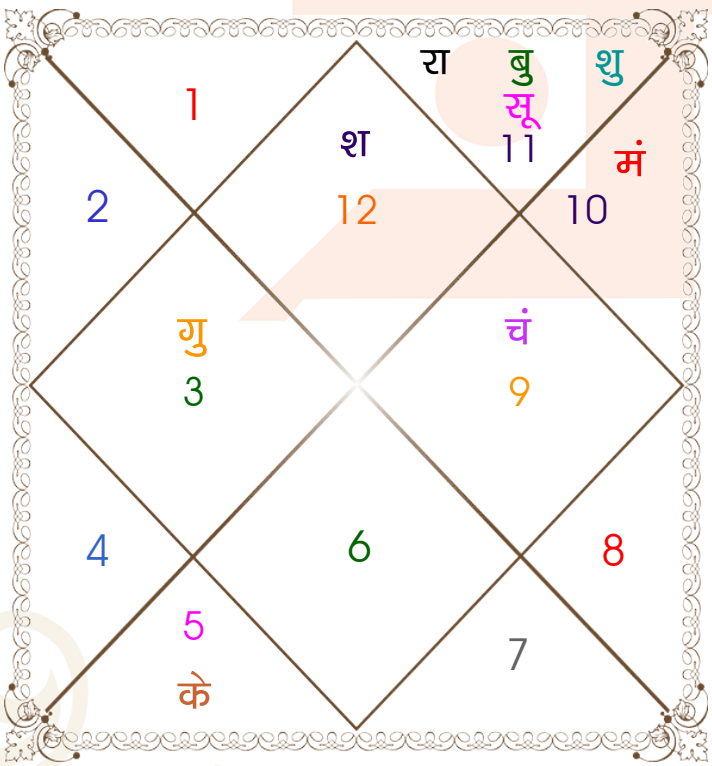

चन्द्र कुंडली

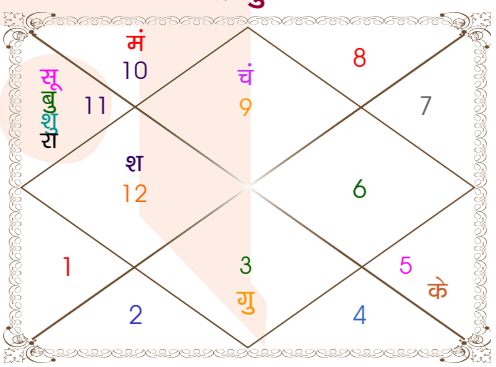

नवमांश कुंडली

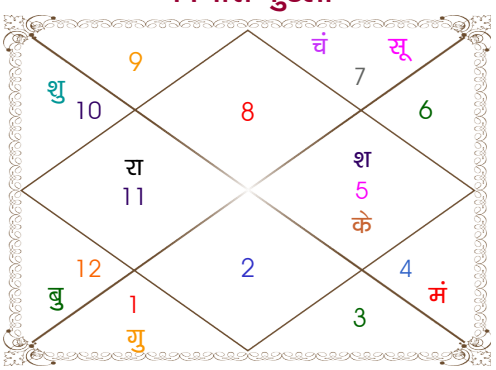

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 7 वर्ष 4 मास 10 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/02/2026		26/06/2033		27/06/2039		26/06/2049		26/06/2056	
26/06/2033		27/06/2039		26/06/2049		26/06/2056		26/06/2074	
	00/00/0000	सूर्य	14/10/2033	चंद्र	26/04/2040	मंगल	22/11/2049	राहु	09/03/2059
	00/00/0000	चंद्र	14/04/2034	मंगल	25/11/2040	राहु	11/12/2050	गुरु	02/08/2061
	00/00/0000	मंगल	20/08/2034	राहु	27/05/2042	गुरु	17/11/2051	शनि	08/06/2064
	00/00/0000	राहु	15/07/2035	गुरु	26/09/2043	शनि	26/12/2052	बुध	26/12/2066
	14/02/2026	गुरु	02/05/2036	शनि	26/04/2045	बुध	23/12/2053	केतु	14/01/2068
गुरु	27/04/2026	शनि	14/04/2037	बुध	26/09/2046	केतु	21/05/2054	शुक्र	13/01/2071
शनि	26/06/2029	बुध	19/02/2038	केतु	27/04/2047	शुक्र	21/07/2055	सूर्य	08/12/2071
बुध	26/04/2032	केतु	26/06/2038	शुक्र	26/12/2048	सूर्य	26/11/2055	चंद्र	08/06/2073
केतु	26/06/2033	शुक्र	27/06/2039	सूर्य	26/06/2049	चंद्र	26/06/2056	मंगल	26/06/2074

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/06/2074		26/06/2090		27/06/2109		27/06/2126		27/06/2133	
26/06/2090		27/06/2109		27/06/2126		27/06/2133		00/00/0000	
गुरु	14/08/2076	शनि	29/06/2093	बुध	24/11/2111	केतु	24/11/2126	शुक्र	27/10/2136
शनि	25/02/2079	बुध	08/03/2096	केतु	20/11/2112	शुक्र	24/01/2128	सूर्य	27/10/2137
बुध	02/06/2081	केतु	17/04/2097	शुक्र	21/09/2115	सूर्य	31/05/2128	चंद्र	28/06/2139
केतु	09/05/2082	शुक्र	18/06/2100	सूर्य	27/07/2116	चंद्र	30/12/2128	मंगल	27/08/2140
शुक्र	07/01/2085	सूर्य	31/05/2101	चंद्र	27/12/2117	मंगल	28/05/2129	राहु	28/08/2143
सूर्य	26/10/2085	चंद्र	30/12/2102	मंगल	24/12/2118	राहु	15/06/2130	गुरु	15/02/2146
चंद्र	25/02/2087	मंगल	08/02/2104	राहु	12/07/2121	गुरु	22/05/2131		00/00/0000
मंगल	01/02/2088	राहु	15/12/2106	गुरु	18/10/2123	शनि	30/06/2132		00/00/0000
राहु	26/06/2090	गुरु	27/06/2109	शनि	27/06/2126	बुध	27/06/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 7 वर्ष 3 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।